सोमवार
15 दिसम्बर 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 311
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

स्मैक नेटवर्क टूटा

●करोड़ों की स्मैक पकड़ी, पुलिस की बड़ी सफलता

हमारे संवाददाता

देहरादून। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत एसटीएफ व पुलिस को खासी सफलता हाथ लगी है। एसटीएफ व पुलिस की संयुक्त टीम ने तीन नशा तस्करों को करोड़ो रूपये की स्मैक के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार दिये गये। बीते रोज एसटीएफ की कुमायूँ युनिट द्वारा एसटीएफ चम्पावत तथा थाना बनबसा पुलिस के साथ मिलकर 3 नशा तस्करों सुरजदीप सिंह पुत्र जस्वंत सिंह निवासी मझरा पूर्व थाना परवाहा जिला लखीमपुर खीरी, करनेल सिंह पुत्र कक्का सिंह निवासी दरलाजपुर थाना सिंघाही जिला लखीमपुर खीरी व गुरमीत सिंह पुत्र इंदर सिंह निवासी बेलराजपुर थाना सिंघाही जिला लखीमपुर खीरी को बनबसा थाना क्षेत्र से करीब 800 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि एसटीएफ की कुमायूँ टीम द्वारा कल थाना बनबसा जनपद चम्पावत क्षेत्र से 3 शातिर नशा तस्करों बनबसा छेत्र से हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में एसटीएफ द्वारा एसओजी चम्पावत तथा थाना बनबसा पुलिस को साथ लेकर गिरफ्तारी की गयी है। बताया गया कि पकड़े गये आरोपी अन्तर्राज्यीय तस्कर हैं जो कि उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जनपद के रहने वाले हैं और लम्बे समय से नशे के कारोबार में लिप्त हैं ये पूर्व में भी कई बार नशे की बड़ी खेप उत्तराखण्ड, नेपाल, मुंबई, गोवा पहुँचाने में सफल रहे हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया की वो उत्तराखंड के रास्ते नेपाल मे हेरोइन की तस्करी करते है। तीनो तस्कर एक मोटरसाइकिल के जरिये मादक पदार्थ उत्तराखण्ड ला रहे थे, जिसकी कि खपत नेपाल मे की जानी थी, टीम के द्वारा जाल बिछाकर धर-दबोचा गया है। तीनो से टीम द्वारा विस्तृत पूछताछ की जा रही है इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल है पता लगाया जा रहा है। अभियुक्तो ने एसटीएफ को पूछताछ में बताया कि वह उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड के रास्ते नेपाल और उत्तराखंड के विभिन्न जनपदों में हेराइन की सप्लाई करते हैं। ताकि यहाँ उसे भारी मुनाफे पर बेच सकें। एसटीएफ द्वारा पूछताछ में अन्य कई ड्रग्स पैडलरों के नाम की जानकारी हुई है. जिन पर कार्यवाही की जायेगी। एसएसपी द्वारा बताया गया कि बड़े अपराधों में मादक पदार्थों की भूमिका महत्वपूर्ण है मादक पदार्थों की तस्करी आर्गेनाइज क्रिमिनल्स के लिए राजस्व का एक बड़ा स्रोत है, जो उन्हें अन्य आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए धन प्रदान करता है, मादक पदार्थों की तस्करी अन्य गंभीर अपराधों, जैसे कि हथियारों की तस्करी, टारगेट कीलिंग, आतंकवादी घटनाएं और मानव तस्करी, को बढ़ावा देती है इसलिए नशा के छोटे कारोबार करने वालों को पकडने की बजाय नशे का कारोबार करने वाले बड़े मगरमच्छों को पकडने की जरूरत है। ये सभी अवैध रूप से नशीली दवाओं को बेचकर युवा वर्ग को नशे की लत लगा रहे हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

टूट चुका है मोदी का तिलिस्म

जिस व्यक्ति विशेष नरेन्द्र दामोदर मोदी के कंधों पर सवार होकर संघ और भाजपा ने 2014 में सत्ता का सफर शुरू किया था अब उसके तिलिस्म टूट चुका है। अपने आपकों को अजेय और अपराजित मानने वाले पीएम मोदी और भाजपा को भी अब इस बात का अहसास हो चुका है कि मोदी है तो मुमकिन है अब एक ऐसा शगूफा भर रह है जिसका सच देश के लोग जान चुके हैं। भले अभी भी समाज में ऐसे लोगों की कमी न हो जो यह मानते है कि मोदी और भाजपा को कोई नहीं हरा सकताहै लेकिन यह संघ के अंधभक्त ही कही जा सकती है। संसद के शीत कालीन सत्रा और बीते कल दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई कांग्रेस की रैली और इस रैली में आये लाखों लाखों लोगों की भीड तथा कांग्रेस नेताओं के चहेरों पर चिन्ता की लकीर खींच दी है। भले कांग्रेस के नेता यह मानते हो कि भाजपा की सरकार और नेताओं को इस हालात तक पहुंचाने मं उनकी मेहनत ही अहम रही है लेकिन ऐसा नहीं है। अपने 11 साल के शासन काल में भाजपा की मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा जो अटपटा फैसले लिए गये तथा देश की जनता को झूठे वायदे किये गये और समाज में नफरत और भय का वातावरण तैयार किया गया उसका इन्तहां हो जाना भी एक अहम कारण रहा है। भाजपा नेताओं का अहंकार भी बहुत हद तक इसके लिए जिम्मेदार रहा है। 2014 के चुनाव में अबकी बार 400 पार और देश के संविधान को बदलने की घोषणाओं तक सीमित न रहने वाले भाजपा नेताओं का इस हद को लांघ जाना जहां संसद मे ंखडे होकर देश के गृह मंत्री अमित शाह यह कहते देखे गये कि आप चिल्लाते रहिए ससंद उनके हिसाब से ही चलेगी औरह वहीं होगा जो जो हम चाहेंगे। यह अहंकार की परीकाष्ठा नहीं तो और क्या है। संविधानिक संस्थाओं का पूरा अस्तित्व समाप्त करने और निर्वाचन आयोग के जरिए हर चुनाव का परिणाम तय करने तक पहुंच चुकी भाजपा की सरकार यह तक भूल चुकी है कि देश की जनता ने उस कांग्रेस जिसने कभी इंदिरा इज इंडिया और इंडिया इ इन्दिरा का नारा दिया था उसे एक झटके में ओंधे मुंह पटका दिया था। कांग्रेस मुक्त भारत विपक्ष मुक्त संसद बनाने का दिवस्वप्न देखने वाले भाजपना नेताओं का जरूर उस हद को भी पार कर गया कि जिस संघ के सहारे से वह दो से दो सौ के पार पहुंची है उसके नेताओं को उसे संघ की जरूरत नहीं रह गयी। भाजपा के नेताओं ने अपनी गलत नीति व नीतियों को भी एक गम्भीर खरे के मुहाने पर लाकर खडा कर दिया है। कल कई करोड लोगों के हस्ताक्षरों के पुलिंदे लेकर उमडी इस रैली की भीड और कांग्रेस नेताओं की हुंकार ने दशे को बल दिया है कि घबराने की कोई बात नहीं है सौा हार के बाद भी कांग्रेस अभी जिन्दा है और वह भाजपा को सत्तर से बाहर का रास्ता दिखाकर ही देम लेगी। इस रैली में किसने क्या कहा उसमें सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण भाषण कांग्रेस के वयोवृद्ध अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन खाण्डके का था। जिन्होंने राहुल, माझी परिवार को ही नहीं पूरे देश के कांग्रेसी नेताओ को मिल कर लड़ने की अपील की। भाजपा ने सही मायने में संघ को जो नुकसान पहुंचाया है उसकी भरपायी कर पाना अब संघ के लिए भी आसान नहीं होगा। निर्वाचन अधिकारियों को कांग्रेस ने कल जिस तरह से खुले मंच से चुनौती दी गयी कि सत्ता बदलेगी और लोकतंत्र के खिलाफ काम करने के मामले में बख्शा नहीं जायेगा भले ही वह रिटायर क्यों न हो चुके हो। इस बात का सबूत है कि अब कांग्रेस अपने दम पर आगे बढ़ने का द्धढ़ संकल्प ले चुकी है वह जान चुकी है कि सत्ता में बैठे नेताओं में कितना दम है।

मुख्यमंत्री ने वल्लभभाई पटेल की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

संवाददाता

देहरादून।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अखंड भारत के शिल्पकार, महान स्वतंत्रता सेनानी एवं 'भारत रत्न' लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री आवास में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व, राष्ट्रनिष्ठ सोच और अदम्य साहस के बल पर देश की अनेक रियासतों का एकीकरण कर अखंड एवं सशक्त भारत की नींव रखी। राष्ट्रहित के प्रति उनका अटल संकल्प, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता और समरसता के लिए सरदार पटेल का योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

जनसंचार के क्षेत्र में एआई की प्रभावशाली उपयोगिता पर मंथन

संवाददाता

देहरादून। पब्लिक रिलेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) के राष्ट्रीय अधिवेशन के तीसरे दिन आयोजित पांचवें सत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर क्राइम और मिसइन्फॉर्मेशन जैसे समसामयिक और गंभीर विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। सत्र में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने एआई के बढ़ते प्रभाव, इसके लाभ, चुनौतियों और इससे जुड़ी साइबर सुरक्षा पर अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि एआई से डरने की बजाय उसके प्रति जागरूक होना और समय के अनुसार स्वयं को अपडेट करना ही सबसे बड़ा समाधान है।

सत्र के मुख्य वक्ता उत्तराखंड पुलिस के अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अंकुश मिश्रा ने साइबर क्राइम और साइबर सिक्योरिटी पर गंभीर और उपयोगी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि एआई के चलते साइबर अपराधों के तरीके अधिक आधुनिक और खतरनाक हो गए हैं। आज के समय में आप घर बैठे भी साइबर फ्रॉड के शिकार हो सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए आपकी आवाज कॉपी की जा सकती है और डीपफेक वीडियो बनाए जा सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी प्रोफेशनल और व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखें। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा करने से बचें। एआई से डरें नहीं, बल्कि उसके प्रति जागरूक रहें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी डीपफेक वीडियो को शेयर करने वाला व्यक्ति भी उतना ही दोषी माना जाएगा। साथ ही उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखने की अपील की।

सत्र की शुरुआत स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के असिस्टेंट जनरल मैनेजर विनय जयसवाल ने की। उन्होंने जनसंपर्क के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती उपयोगिता पर प्रकाश

❑पब्लिक रिलेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अधिवेशन का तीसरा दिन

डालते हुए कहा कि एआई ने संचार को तेज, सटीक और प्रभावशाली बनाया है। उन्होंने कहा आज के दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने पब्लिक रिलेशन के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। डेटा एनालिसिस, मीडिया मॉनिटरिंग और ऑडियंस एनालिटिक्स में एआई एक शक्तिशाली टूल बन चुका है। हालांकि, इसके साथ साइबर क्राइम की घटनाएं भी बढ़ी हैं। इसलिए जरूरी है कि संस्थान एआई का उपयोग नैतिक और सुरक्षित तरीके से करें तथा भविष्य की चुनौतियों के लिए अभी से तैयारी करें। उन्होंने कहा कि सही रणनीति और प्रशिक्षण के साथ एआई जनसंपर्क को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है।

इसके बाद ग्राफिक हिल यूनिवर्सिटी की असिस्टेंट प्रोफेसर ताहा सिद्दिकी ने एआई पर आधारित एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से विषय को सरल और व्यावहारिक रूप में समझाया। उन्होंने बताया कि वह "अधीरा" नामक प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोगों को एआई के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रही हैं। यह सच है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंसान की जगह नहीं ले सकता, लेकिन यह इंसान का सबसे अच्छा सहायक बन सकता है। हमें इसे एक अवसर के रूप में देखना चाहिए, न कि खतरे के रूप में। समय के साथ तकनीक बदलती है और हमें भी अपने कौशल को उसी अनुरूप विकसित करना चाहिए। एआई के सही उपयोग से शिक्षा, संचार और शोध के क्षेत्र में बड़े बदलाव संभव हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे एआई को समझें और उसका सकारात्मक उपयोग सीखें।

वहीं इसके बाद आयोजित छठवें सत्र में पीआरएसआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यू. एस. शर्मा ने कॉरपोरेट कम्युनिकेशन की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन की छवि निर्माण में संचार रणनीति की अहम भूमिका होती है। कॉरपोरेट कम्युनिकेशन केवल सूचना देने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह संगठन की विश्वसनीयता और पहचान बनाने का मजबूत आधार है। आज के डिजिटल युग में पारदर्शिता,

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

नर्सिंग बेरोजगार युवतियों पर पुलिस अभद्रता के विरोध में महिला कांग्रेस ने किया पुलिस मुख्यालय पर घेराव

संवाददाता

देहरादून। नर्सिंग बेरोजगार युवतियों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान महिला पुलिसकर्मियों द्वारा की गई अभद्रता और थप्पड़ मारने की घटना के विरोध में आज उत्तराखंड महिला कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से चलकर पुलिस मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन कर घेराव किया। इस विरोध कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नर्सिंग बेरोजगार युवतियाँ भी उपस्थित रहीं। महिला कांग्रेस की नेत्रियों को पुलिस मुख्यालय से पहले ही बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया गया जहां उन्होंने बैरिकेडिंग पर चढ़कर उत्तराखंड सरकार का पुतला दहन किया। नरसिंह बेरोजगारों को और महिला कांग्रेस की नेत्रियों और कार्यकर्ताओं को पुलिस गाड़ियों में भरकर एकता विहार छोड़ आई।

इस दौरान प्रदर्शन को संबोधित करते हुए प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि "रोजगार की मांग करने वाली बेटियों के साथ इस प्रकार का अपमानजनक और दमनकारी व्यवहार सरकार की असंवेदनशीलता को उजागर करता है। धामी सरकार युवाओं की आवाज सुनने के बजाय उन पर शक्ति प्रदर्शन कर रही है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है।"

महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर पुलिस मुख्यालय का घेराव किया और सरकार का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया।

रौतेला ने आगे कहा कि नर्सिंग की बेटियाँ अपने अधिकार और रोजगार मांग रही थीं, लेकिन सरकार ने उनके सवालों का जवाब संवाद से देने की बजाय थप्पड़ों और धक्कों से दिया। यह न केवल लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है बल्कि महिलाओं के प्रति सरकार की दमनकारी मानसिकता को भी दर्शाता है। महिला कांग्रेस ने मांग की कि दोषी पुलिसकर्मियों पर तत्कालीक कठोर कार्रवाई की जाए। घटना की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। नर्सिंग के लंबित रिक्त पदों पर पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाए।

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

सर्दियों में कपड़े धोते समय न करें ये 5 गलतियां, हो सकती है परेशानी

सर्दियों में कपड़े धोना एक मुश्किल काम हो सकता है। ठंडे पानी में कपड़े धोने से लेकर उन्हें सुखाने तक, कई बार हम अनजाने में कुछ गलतियां कर बैठते हैं। इन गलतियों से न केवल कपड़े जल्दी खराब होते हैं, बल्कि हमारी मेहनत भी बेकार हो जाती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जिनसे आपको सर्दियों में कपड़े धोते समय बचना चाहिए ताकि आपके कपड़े साफ और ताजगी भरे रहें।

सर्दियों में कई लोग ठंडे पानी का इस्तेमाल करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे बिजली की बचत होती है। हालांकि, ठंडा पानी कुछ दागों को ठीक से नहीं हटा पाता, खासकर अगर दाग पुराने हों। बेहतर होगा कि आप हल्के गर्म पानी का उपयोग करें क्योंकि यह दागों को आसानी से हटा सकता है और कपड़ों की गंदगी भी अच्छी तरह साफ कर सकता है।

अधिक साबुन का उपयोग करने से कपड़ों पर सफेद निशान पड़ सकते हैं और उनकी चमक भी कम हो सकती है। इसके अलावा इससे त्वचा पर खुजली या चकत्ते जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए हमेशा साबुन की मात्रा को सही रखें और उसे सही तरीके से उपयोग करें। अगर आप मशीन में कपड़े धोते हैं तो उसमें दिए गए साबुन के निर्देशों का पालन करें ताकि आपके कपड़े साफ भी रहें और उनकी गुणवत्ता भी बनी रहे।

सर्दियों में कपड़े धोते समय अक्सर हम अलग-अलग रंगों के कपड़े एक साथ डाल देते हैं, लेकिन ऐसा करना गलत है। इससे गहरे रंग के कपड़े हल्के रंग के कपड़ों पर रंग छोड़ सकते हैं। इसलिए हमेशा हल्के और गहरे रंग के कपड़ों को अलग-अलग धोएं ताकि उनके रंग बरकरार रहें। इससे आपके कपड़े साफ भी रहेंगे और उनकी गुणवत्ता भी बनी रहेगी। इसके अलावा अलग-अलग प्रकार के कपड़ों को भी अलग-अलग धोना चाहिए।

सर्दियों में कपड़े सुखाते समय हमें खास ध्यान रखना चाहिए कि वे पूरी तरह से सूख जाएं ताकि उनमें नमी न रहे और वे जल्दी खराब न हों। कभी-कभी लोग कपड़ों को अधूरा ही सुखा देते हैं, जिससे उनमें बदबू आने लगती है या वे जल्दी खराब हो जाते हैं। इसलिए हमेशा सुनिश्चित करें कि कपड़े पूरी तरह से सूखे हों और उनमें कोई नमी न हो। इसके लिए धूप में सुखाना सबसे अच्छा तरीका है।

धुलाई मशीन का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है ताकि कपड़े अच्छे से धो सकें और उनकी उम्र लंबी हो सके। कभी-कभी लोग मशीन को जरूरत से ज्यादा भर देते हैं जिससे कपड़े ठीक से नहीं धुल पाते या फट जाते हैं। इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर आप सर्दियों में भी अपने कपड़ों को साफ-सुथरा रख सकते हैं और उनकी उम्र बढ़ा सकते हैं। इन गलतियों को न करें और अपने कपड़ों का ख्याल रखें।

ऊनी कपड़ों का इस तरह से रखें ध्यान, नहीं होंगे खराब

ऊनी कपड़े सर्दियों के लिए आदर्श माने जाते हैं क्योंकि ये गर्माहट देने के साथ-साथ स्टाइलिश भी दिखते हैं। हालांकि, इनकी देखभाल करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। अगर आप चाहते हैं कि आपके ऊनी कपड़े लंबे समय तक नए जैसे दिखें और आरामदायक भी रहें तो कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। यहां हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने ऊनी कपड़ों को सही तरीके से रख सकते हैं।

ऊनी कपड़ों को धोते समय खास सावधानी बरतनी चाहिए। गर्म पानी का इस्तेमाल न करें क्योंकि इससे कपड़े सिकुड़ सकते हैं। इसके बजाय ठंडे पानी का उपयोग करें और हल्के साबुन का इस्तेमाल करें। कपड़े को उल्टा करके धोएं ताकि उसकी बाहरी सतह पर कोई नुकसान न हो। हाथों से हल्के हाथों से रगड़ें या मशीन के कोमल चक्र का उपयोग करें। ध्यान रखें कि ज्यादा रगड़ने से कपड़ा खराब हो सकता है।

धोने के बाद ऊनी कपड़ों को सुखाने का तरीका भी अहम है। उन्हें सीधे सूरज की रोशनी में न सुखाएं क्योंकि इससे रंग फीके पड़ सकते हैं और कपड़ा खराब हो सकता है। बेहतर होगा कि आप उन्हें हवा वाले स्थान पर फैलाकर सुखाएं या फिर किसी हुक पर लटका दें। अगर संभव हो तो उन्हें छांव में रखें ताकि सीधे सूरज की रोशनी न लगे और हवा भी लगती रहे।

ऊनी कपड़ों को स्टोर करते समय ध्यान रखें कि वे नमी और कीड़ों से सुरक्षित रहें। प्लास्टिक थैलों का उपयोग करने से बचें क्योंकि उनमें नमी जमा हो सकती है। इसके बजाय कागज के थैले या कपड़े के थैलों का उपयोग करें, जो हवा पास कर सकें। कपड़ों को अलमारी में रखने से पहले उन्हें अच्छी तरह से सुखा लें ताकि उनमें कोई नमी न रहे। समय-समय पर उन्हें बाहर निकालकर हवादार स्थान पर रखें।

ऊनी कपड़ों पर बाल या धागे निकल आना आम बात है, लेकिन इन्हें सही तरीके से ब्रश करके हटाया जा सकता है। इसके लिए नरम ब्रश का उपयोग करें और हल्के हाथों से रगड़ें। ध्यान रखें कि ज्यादा जोर न लगाएं क्योंकि इससे कपड़ा खराब हो सकता है। अगर बाल बहुत ज्यादा निकल आए हों तो पहले उन्हें हाथों से खींचकर निकालें, फिर नरम ब्रश से हल्के हाथों से रगड़ें। अगर आपके ऊनी कपड़े में छोटा सा छेद या फटने का निशान हो गया हो तो उसे तुरंत ठीक करें ताकि वह बढ़ न सके। इसके लिए सिलाई मशीन का उपयोग करें या हाथों से सिलाई करें। ध्यान रखें कि मरम्मत जगह पर ज्यादा ध्यान न दें ताकि कपड़े का लुक बिगड़े नहीं। इस प्रकार आप अपने ऊनी कपड़ों की देखभाल कर सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक नए जैसा बना सकते हैं।

घर में कपड़े धोने से पहले करें ये काम

मैंने कई महिलाओं को अक्सर यह कहते हुए सुना है कि उनके कपड़े ज्यादा दिन तक नहीं चल पाते। किसी का रंग निकल जाता है तो कोई धोते-धोते फट जाता है। कुछ तो पहली धुलाई के बाद ही पहनने लायक नहीं बचते और कुछ हाल तो ऐसा हो जाता है कि उनकी तरफ आंख ही नहीं पड़ती। अब इन तमाम बातों में भी दोष आखिरकार होता है सिर्फ कपड़ों की क्वालिटी का या फिर उनके कच्चे रंग का। लेकिन मोहतरमा शायद आप कभी इस बात को स्वीकार नहीं करेंगी। इसमें कपड़े के रंग और क्वालिटी का ही दोष नहीं है बल्कि आपके कपड़े धोने का तरीका भी बहुत खराब है। जी हां, कभी-कभार हम जाने-अनजाने में ऐसी गलतियां कर देते हैं जिनके कारण हमारे कपड़ों की चमक फीकी पड़ जाती है और वे जल्द खराब हो जाते हैं। सबसे पहले तो हमें यह जानना होगा की क्या हम उन कपड़ों को घर पर धो सकते है या नहीं? अगर धो सकते हैं तो इन्हें धोते हुए कौन-कौन की सावधानियां बरतनी होंगी किन बातों का ध्यान रखना होगा जिससे हमारे कपडे हमेशा नए बने रहें...

कपड़ों को धोने से पहले इस बात की अच्छे से जांच कर लें क्या वो कपड़े घर पर धोने लायक हैं भी या नहीं। अगर वो कपड़ें धोने लायक है तो उनकी क्या-क्या कंडीशन है। जब आप इस बात को अच्छे से समझ जाएं तो सबसे पहले आपको करना यह है कि आप कपड़ों पर लगी मैल और किसी भी तरह की महक को हटाने के लिए धोने से पहले उसे पद्रंह मिनट तक पानी में डूबोकर रख दें। फिर हल्के हाथ से कपड़ों को धोएं।

लेबल न पढ़ना

अधिकतर महिलाएं अलग-अलग ब्रांड्स के कपड़ों को खरीदकर घर तो ले आती हैं, लेकिन उसके पीछे बने लेबल पर कोई ध्यान नहीं देती। ऐसे में अक्सर होता ये है कि हम कपडे धोते समय ऐसी तमाम गलतियां कर देते हैं जिनके कारन वो खराब हो जाते हैं। इसके लिए करना आपको इतना है कि कपड़े के पीछे बने सिंबल पर कपड़े के धोने के तरीके को अच्छे से पढ़ लें। कुछ कपड़ों को मशीन में धोया जा सकता है लेकिन कुछ कपड़े ऐसे होते हैं जिन्हें हाथ से ही धोना पड़ता है। लेकिन आपको इन सभी बातों की जानकारी तभी होती है, जब आप उसके लेबल को देखती हैं।

मशीन में ज्यादा कपड़े न भरें

कई बार महिलाएं वॉशिंग मशीन में जरूरत से ज्यादा कपड़े डाल देती हैं, जिसके कारण मशीन सही तरह से घूम नहीं पाती और कपड़े भी अच्छी तरह साफ नहीं होते। इसलिए आप कपड़े मशीन में डालने से पहले अपनी मशीन की क्षमता अवश्य देखें। आप चाहें तो इसके लिए वॉशिंग मशीन के साथ मिली किताब को अच्छी तरह पढ़ लें और फिर उसमें कपड़ों को डालें।

महंगे कपड़ों को एक-दूसरे में न मिलाएं

नए-कपड़ों को धोते समय इस बात का ख्याल रखना बेहद जरूरी है कि वो पुराने कपड़ों के साथ मिलें नहीं। जी हां, आप रोजमर्रा के कपड़े जहां रखती हैं उस बिनबैग में महंगे कपड़ों को कभी भी ना रखें, नहीं तो ये कपड़े खराब हो जाएंगे। साथ ही साथ एक-दूसरे में रंग लगने का भी डर भी बना रहता है। इसलिए कोशिश करें कि नए कपड़ों को अलग ही धोया जाए।

कपड़े को सुखाते वक्त गांठ बांध लें ये बात

कपड़ों को सुखाने से पहले इस बात को गांठ बांध लें कि धुले हुए कपड़ों का पानी निकालने के लिए कभी भी इन्हें जोर से ना निचोड़ें। ऐसा करने से कपड़ा खराब तो होता ही है, साथ ही साथ इनके फटने का अंदेशा भी बढ़ जाता है। यही नहीं, नए कपड़ों को सुखाने के लिए एक सावधानी और बरतें इन्हें कभी भी तेज धूप में न डालें।

हेल्दी लाइफस्टाइल : अपने भोजन में ताजा सब्जियों और फलों का उपयोग करे

हेल्दी लाइफस्टाइल को जीने और डायबिटीज, कैंसर जैसी बीमारियों को दूर रखने के लिए स्वस्थ भोजन पकाना जरूरी है। खाना पकाने की सही तकनीकों के साथ, आप अपने स्वास्थ्य का त्याग किए बिना स्वादिष्ट, पौष्टिक भोजन का आनंद ले सकते हैं। आज हम खाना पकाने की स्वस्थ तकनीकों पर बात करेंगे। जो आपको हेल्दी और सेहतमंद बनाए रखने में मदद कर सकती हैं।

तलने की जगह बेकिंग, रोस्ट या ग्रिल करना। इससे आप ज्यादा तेल के सेवन से बच सकते हैं और अपने भोजन का स्वाद बढ़ा सकते हैं।

तलने से पहले अपने खाद्य पदार्थों को पतला करें। इससे आपकी खाने की वसा कम होगी और आपका भोजन स्वस्थ होगा।

अपने भोजन में ताजा सब्जियों और फलों का उपयोग करें। इससे आप ज्यादा पोषण वाले भोजन का सेवन करेंगे जो आपके शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

अपने भोजन में अधिक मात्रा में पानी शामिल करें। इससे आपका भोजन स्वस्थ होता है और अधिक पानी सेवन से आपकी पेट से सम्बंधित समस्याएं भी कम होती हैं।

अपने खाद्य पदार्थों को अधिक समय तक पकाने से बचें। इससे आपके भोजन में उपस्थित पोषण तत्वों का नुकसान हो सकता है।

नमक की मात्रा कम करें और उपलब्धता के अनुसार अन्य मसालों का उपयोग करें। नमक अधिक सेवन से आपको उच्च रक्तचाप और अन्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

भोजन को अधिक स्वस्थ बनाने के लिए ग्रीन टी, हल्दी और अन्य जड़ी-बूटियों का उपयोग करें। इनमें पाए जाने वाले गुण आपके शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

अपने डाइट प्लान में अधिक फाइबर शामिल करें। फाइबर आपके पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है और उन्हें अच्छी तरह से काम करने में मदद करता है।

सुनने की क्षमता को नुकसान पहुंचा सकती हैं ये आदतें, इनसे बचें

सुनने की क्षमता हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा है, लेकिन कुछ आदतें इसे नुकसान पहुंचा सकती हैं। रोजमर्रा की जिंदगी में अनजाने में की जाने वाली छोटी-छोटी गलतियां हमारे कानों को कमजोर कर सकती हैं। इस लेख में हम ऐसी ही कुछ सामान्य आदतों के बारे में जानेंगे, जो हमारी सुनने की क्षमता को प्रभावित कर सकती हैं और इनसे कैसे बचना चाहिए ताकि हमारे कान सुरक्षित रहें।

तेज आवाज में गाने सुनना

तेज आवाज में गाने सुनना एक आम आदत है, खासकर जब हम कानों में लगाने वाले उपकरणों का उपयोग करते हैं। हालांकि, यह आदत आपकी सुनने की क्षमता को काफी नुकसान पहुंचा सकती है। तेज आवाज में गाने सुनने से कान के अंदरूनी हिस्से पर दबाव पड़ता है, जिससे सुनने की क्षमता धीरे-धीरे कम हो सकती है। इसलिए हमेशा मध्यम आवाज में गाने सुनें और उपकरणों का उपयोग करते समय ध्यान रखें कि आवाज बहुत तेज न हो।

शोरगुल वाले माहौल में रहना

शोरगुल वाले माहौल में लंबे समय तक रहने से भी आपकी सुनने की क्षमता पर बुरा असर पड़ सकता है। चाहे वह काम की जगह हो या कोई सार्वजनिक जगह, जहां शोर बहुत होता हो, वहां बार-बार जाने से कानों पर दबाव पड़ता है। इससे कान की नसें कमजोर हो सकती हैं और सुनने में परेशानी हो सकती है। इसलिए जहां तक संभव हो, शोरगुल वाले माहौल से बचें।

कान में कुछ डालना

कान में कुछ डालना एक बहुत बड़ी गलती है, जो कई लोग अनजाने में कर बैठते हैं। इससे न केवल कान के अंदरूनी हिस्से को नुकसान पहुंचता है बल्कि कान में मौजूद प्राकृतिक तेल भी बाहर निकल आता है, जिससे सूजन और संक्रमण जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए कभी भी कान में किसी चीज को डालने की कोशिश न करें और अगर कोई समस्या हो तो डॉक्टर से संपर्क करें।

कानों की सफाई के लिए धातु का उपयोग

कानों की सफाई के लिए धातु का उपयोग करना बहुत खतरनाक हो सकता है। लोग अक्सर कान में जिद्दी मैल निकालने के लिए धातु की चीजें जैसे ईयरबड, माचिस की तीली आदि का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इससे कान के पर्दे को नुकसान पहुंच सकता है और सुनने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए कानों को साफ रखने के लिए हमेशा डॉक्टर की सलाह पर ही सफाई करें और घरेलू उपायों से बचें।

टमाटरों को ताजा बनाए रखने के लिए अपनाएं ये तरीके, नहीं होंगे जल्दी खराब

सब्जी के साथ-साथ कई व्यंजनों की मुख्य सामग्री टमाटर है, लेकिन यह जल्दी खराब हो जाता है। अगर आप भी टमाटर खरीदने के बाद उन्हें जल्द ही खराब होने से बचाने के तरीके खोजते रहते हैं तो आज का लेख आपके लिए है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिनकी मदद से टमाटरों को लंबे समय तक ताजा रखा जा सकता है और वे जल्द खराब नहीं होंगे।

कागज में लपेटें

टमाटरों को लंबे समय तक ताजा बनाए रखने के लिए उन्हें कागज में लपेटकर रख सकते हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि कागज प्लास्टिक का न हो क्योंकि प्लास्टिक सेहत के लिए नुकसानदायक होती है। इसके बजाय किसी पुराने अखबार या किसी अन्य कागज का इस्तेमाल करें। टमाटर को कागज में लपेटने से वह हवा से दूर रहते हैं और जल्दी खराब नहीं होते। इस तरह टमाटर कई दिनों तक ताजे बने रहते हैं।

हरे टमाटर खरीदें

अगर आप टमाटर खरीदते समय ध्यान देते हैं तो आपको पता होगा कि हरे टमाटर लंबे समय तक ताजे रहते हैं। इसलिए जब भी बाजार से टमाटर खरीदें तो थोड़े कच्चे टमाटर ही खरीदें। पके हुए टमाटर जल्दी खराब हो जाते हैं और उनकी उम्र कम होती है। हरे टमाटर में कुछ खास तत्व होते हैं जो उन्हें लंबे समय तक ताजा बनाए रखते हैं।

सूखे और ठंडे स्थान पर रखें

टमाटरों को हमेशा सूखे और ठंडे स्थान पर रखें ताकि उनमें नमी न हो और वे जल्दी खराब न हों। गर्म जगहों पर रखने से टमाटर सड़ जाते हैं या उनमें कीड़े लग जाते हैं। इसलिए उन्हें किसी ऐसी जगह पर रखें जहां हवा सही से चलती हो और नमी भी कम हो। इसके अलावा ध्यान रखें कि टमाटरों को धूप न लगे क्योंकि इससे उनकी गुणवत्ता प्रभावित होती है।

पानी से धोकर रखें

अगर आप बाजार से खरीदे हुए टमाटरों को धोकर रखते हैं तो इससे भी उनकी उम्र बढ़ जाती है और वे लंबे समय तक ताजे रहते हैं। टमाटरों को धोने से उनमें मौजूद कीटाणु खत्म हो जाते हैं और उनमें बैक्टीरिया नहीं पनपते। इसके अलावा धोने से टमाटरों की ताजगी बनी रहती है और वे जल्दी खराब नहीं होते। इसलिए अगली बार जब आप बाजार से टमाटर खरीदें तो उन्हें धोकर ही रखें।

वजन घटाने की शुरुआत करने के लिए अपनाएं ये 5 असरदार तरीके

वजन घटाना कई लोगों के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य हो सकता है, खासकर जब बात जीवनशैली में बदलाव की आती है। अक्सर लोग तुरंत परिणाम की चाहत में गलत तरीके अपनाते हैं, जिससे उनका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपनी जीवनशैली में बदलाव कर सकते हैं और स्वस्थ तरीके से वजन घटा सकते हैं।

सुबह की शुरुआत पानी से करें

सुबह उठते ही सबसे पहले एक गिलास पानी पिएं। यह आपके शरीर को तरोताजा करता है और शरीर की ऊर्जा को बढ़ाता है। पानी पीने से आपका पेट भरा हुआ महसूस होगा, जिससे आप कम खाना खाएंगे। इसके अलावा यह पाचन को भी बेहतर बनाता है। अगर आप चाहें तो इसमें नींबू का रस मिला सकते हैं, जिससे विटामिन-सी भी मिलेगा और शरीर की सफाई होगी। इस आदत से आप दिनभर सक्रिय महसूस करेंगे।

नाश्ते में प्रोटीन शामिल करें

नाश्ते में प्रोटीन शामिल करना बहुत जरूरी है। यह आपको लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है और खाने की इच्छा को कम करता है। दही या मूंगफली का मक्खन जैसे प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ अपने नाश्ते में शामिल करें। इससे आपकी ऊर्जा स्तर भी बढ़ेगी और आप पूरे दिन सक्रिय रहेंगे। प्रोटीन युक्त नाश्ता खाने से आपकी शरीर की ऊर्जा बढ़ेगी, जिससे वजन घटाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा यह आपके स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है।

सब्जियों का सेवन बढ़ाएं

सब्जियां विटामिन्स, मिनरल्स और रेशे से भरपूर होती हैं, जो आपके शरीर के लिए बहुत फायदेमंद हैं। अपनी डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियां, गाजर, टमाटर आदि शामिल करें। ये न केवल पोषण प्रदान करती हैं बल्कि वजन घटाने में भी मदद करती हैं क्योंकि इनमें कैलोरी कम होती है और रेशे ज्यादा होते हैं। सब्जियों का सेवन करने से आपका पेट जल्दी भरा हुआ महसूस होगा, जिससे आप कम खाना खाएंगे और स्वस्थ रहेंगे।

एक्सरसाइज पर दें ध्यान

वजन घटाने के लिए नियमित एक्सरसाइज करना बहुत जरूरी है। रोजाना कम से कम ३० मिनट तक तेज चलना या दौड़ना शुरू करें। इससे आपका दिल की धड़कन बढ़ेगी, कैलोरी बर्न होगी और शरीर की ऊर्जा बढ़ेगी। इसके अलावा आप योग या स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज भी कर सकते हैं, जो तनाव कम करने में मददगार हैं। एक्सरसाइज करने से न केवल आपका वजन नियंत्रित रहेगा बल्कि आपका मूड भी अच्छा रहेगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे।

नींद पूरी करें

अच्छी नींद लेना भी वजन घटाने के लिए अहम है। जब आप अच्छी तरह सोते हैं तो आपका शरीर सही तरीके से काम करता है और शरीर के संतुलन में रहता है, जिससे भूख नियंत्रित रहती है। कोशिश करें कि आप रोजाना 7-8 घंटे की नींद लें। देर रात तक जागने से बचें ताकि आपका शरीर पूरी तरह आराम कर सके। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप आसानी से अपनी जीवनशैली में बदलाव ला सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य -075

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8		9	■	10	11		■	
■		■	■	■		■	■	■
12		13	■	14		15	■	16
	■	17		■	■	18		
19	20		■	21	22		■	
■		■	■	■		■	23	
24			■	25			■	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 74 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

बैड बॉय कार्तिक से नागा शौर्य का नया लव ट्रैक अंधमैना फिगारु नुव्वा' हुआ जारी रिलीज

नागा शौर्य की आगामी फिल्म बैड बॉय कार्तिक के रोमांटिक गाने अंधमैना फिगारु नुव्वा का लिरिकल वीडियो रिलीज़ हो गया है। हैरिस जयराज द्वारा रचित इस गाने में श्रीधर सेना और प्रिया जर्सन ने अपनी भावपूर्ण आवाज़ दी है और कृष्ण कंठ ने इसके बोल लिखे हैं। राम देसिन द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक व्यावसायिक एक्शन एंटरटेनर होने का वादा करती है जिसमें ज़बरदस्त ड्रामा और कॉमेडी का मिश्रण है। नागा शौर्य इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, उनके साथ विधि, समुथिरकानी, नरेश वीके, साईकुमार, माइम गोपी, श्रीदेवी विजयकुमार, वेनेला किशोर और ब्रह्माजी भी हैं। टीज़र में नागा शौर्य का रौद्र और आक्रामक किरदार दिखाया गया है, जो उनके विशालकाय अवतार का संकेत देता है। समुथिरकानी ने वरधा रेड्डी की भूमिका निभाई है, जो कहानी में गहराई जोड़ते हैं। इस फिल्म में एक बेहतरीन तकनीकी टीम है, जिसमें रसूल एलोर द्वारा छायांकन, कोटागिरी वेंकटेश्वर राव द्वारा संपादन और रमनजनेयुलु द्वारा कला निर्देशन शामिल है। इस परियोजना के साथ तेलुगु सिनेमा में हैरिस जयराज की वापसी ने खूब सुर्खियाँ बटोरी हैं, और फिल्म के विविध कलाकार और क्रू एक संपूर्ण मनोरंजन का वादा करते हैं। इस फिल्म में सुप्रीम सुंदर और पृथ्वी द्वारा कोरियोग्राफ किए गए ज़बरदस्त एक्शन दृश्यों के साथ-साथ राजू सुंदरम, शोबी मास्टर, विजय पोलंकी और सिरीश द्वारा निर्देशित मनमोहक नृत्य गीत भी शामिल हैं। गीतों के बोल चंद्र बोस, रामजोगय्या शास्त्री, कसारला श्याम और कृष्णकांत ने लिखे हैं।

कॉमेडी में रंग जमाते दिखे पुलकित और वरुण; अमित सियाल की एंट्री शानदार

कॉमेडी की डबल डोज लेकर पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा हाजिर हो गए हैं। हाल ही में उनकी अपकमिंग फिल्म राहु केतु' का टीजर रिलीज हुआ। इसमें सीरियस एक्टिंग के लिए मशहूर अमित सियाल भी नजर आए। टीजर में फिल्म की कहानी की झलक भी मिली। टीजर में पुलकित और वरुण धवन जब भी साथ होते हैं तो लोगों का नुकसान ही करते हैं। गांव में सभी इन्हें मनहूस मानते हैं। यह दोनों जिसकी जिंदगी में जाते हैं, उसके लिए मुश्किलों का दौर शुरू हो जाता है। टीजर में एक जगह पर राहु केतु का रेफरेंस भी दिखाया गया है। आगे टीजर में अमित सियाल भी नजर आते हैं। वरुण और पुलकित का किरदार मिलकर अमित के कैरेक्टर की जिंदगी को मुश्किल बना देते हैं। आगे चलकर इनके बीच दुश्मनी भी दिखती है। इस कॉमेडी फिल्म में अमित सियाल का कैरेक्टर नेगेटिव नजर आता है। फिल्म राहु केतु में पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा, अमित सियाल के अलावा शालिनी पांडे, पीयूष मिश्रा और चंकी पांडे भी नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विपुल विग ने किया है। राहु केतु 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बाइकर से शारवानंद की पहली झलक जारी, रेसिंग की पृष्ठभूमि होगी फिल्म

निर्माताओं ने हीरो शारवानंद अभिनीत फिल्म बाइकर से पहली लैप झलकियाँ जारी की हैं। झलकियों में, प्रत्येक बाइकर की एक कहानी है..समय के खिलाफ लड़ने की कहानी..मौत का सामना करने की कहानी..चाहे कुछ भी हो जाए हार न मानने की कहानी..जीतना कोई बड़ी बात नहीं है..अंत तक लड़ना महान है। झलकियों में शारवानंद की बाइक रेसिंग स्टंट प्रभावशाली हैं। झलकियों से यह समझा जा सकता है कि शारवानंद बाइकर के रूप में अपनी भूमिका के लिए बॉडी मेकओवर के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। ये झलकियाँ सिनेमाघरों और मल्टीप्लेक्स में दिखाई जाने वाली हैं जहाँ फिल्में बाहुबली- द एपिक, मास जतारा दिखाई जा रही हैं। झलकियाँ सोशल मीडिया पर भी देखी जा सकती हैं।

बाइक रेसिंग और तीन पीढ़ियों के पारिवारिक संबंधों की कहानी वाली इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में शारवानंद एक बाइक रेसर की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म 1990-2000 के बीच की रेसिंग थीम पर आधारित होगी। अभिलाष कंकरा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में मालविका नायर नायिका की भूमिका में हैं, जबकि ब्रह्माजी और अतुल कुलकर्णी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यूवी क्रिएशंस के तहत वामसी-प्रमोद द्वारा निर्मित और विक्रम द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म की शूटिंग अंतिम चरण में पहुँच गई है। इस फिल्म का कैमरा जे. युवा राज ने और संगीत घिबरन ने दिया है। बाइकर की शूटिंग के साथ-साथ, शारवानंद कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। राम अब्बाराजू द्वारा निर्देशित नारी नारी नाडु मुरारी इस संक्रांति पर रिलीज़ होने वाली है। साक्षी वैद्य और संयुक्ता इस फिल्म में मुख्य भूमिकाएँ निभा रही हैं। खबर यह भी है कि वह संपत नंदी द्वारा निर्देशित भोगी नामक एक और नए प्रोजेक्ट में श्रीनु वैतला के साथ अभिनय करेंगे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

अभिनय की दुनिया एक अलग जिंदगी जीने की आजादी देती है- निमरत कौर

ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर जब भी कोई नया सीजन रिलीज होता है, तो दर्शक सबसे पहले यह देखना चाहते हैं कि उनके पसंदीदा किरदारों के साथ क्या नया हुआ है और कौन से नए किरदार कहानी में जुड़ रहे हैं। इसी कड़ी में हाल ही में रिलीज हुई द फैमिली मैन सीजन 3 ने एक बार फिर दर्शकों का ध्यान खींचा है। तीसरे सीजन में एक नया किरदार मीरा दर्शकों के लिए खासा दिलचस्प साबित हुआ। इस किरदार को अभिनेत्री निमरत कौर ने निभाया। इस किरदार को लेकर उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। निमरत कौर ने कहा, मीरा का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत शानदार अनुभव रहा। इस रोल ने मुझे महिला सशक्तिकरण की भावना महसूस करने का मौका दिया। यह किरदार न केवल कहानी में अहम है, बल्कि यह दर्शाता है कि एक महिला अपने तरीके से किसी भी चुनौती का सामना कर सकती है, चाहे वह पुरुषों की दुनिया में काम कर रही हो या फिर नेतृत्व की भूमिका में हो।

उन्होंने कहा, मेरे लिए यह अनुभव इसलिए भी खास रहा क्योंकि इसके सभी लेखक पुरुष ही थे, जिन्होंने महिला सशक्तिकरण के अलग पहलुओं को दिखाया। जब महिला का ऐसा किरदार पुरुष लेखकों द्वारा लिखा जाता है, तो उसे निभाना बहुत रोचक अनुभव होता है। इस किरदार ने मुझे खुद पर भरोसा करने और आत्म-विश्वासी बनने की प्रेरणा दी। कई बार मैं खुद को देखती थीं और सोचती कि यह किरदार जिस तरह आत्म-विश्वासी है, मैं असल जिंदगी में उसकी तरह शायद ही बन पाऊं।

निमरत ने कहा, अभिनय की दुनिया में मुझे जो आजादी मिलती है, वह असल जिंदगी में शायद संभव नहीं है। जब मैं किसी किरदार को निभाती हूं, तो उसे अपने असली जीवन के अनुभवों और सोच से अलग रखकर पूरी तरह से जी सकती हूं। यही अभिनय की खूबसूरती है कि वह हमें अपनी सीमाओं से परे जाकर किसी और के अनुभव को महसूस करने की आजादी देता है।

द फैमिली मैन 3 में निमरत कौर का किरदार खलनायिका मीरा के रूप में सामने आया है। इस शो का निर्देशन राज और डीके ने किया है और इसमें मनोज बाजपेयी, प्रियमणि और जयदीप अहलावत जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं।

तीसरा सीजन 21 नवंबर को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हुआ, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

आमिर खान के प्रोडक्शन ने हैप्पी पटेल का ऐलान किया, कॉमेडियन वीर दास पर लगाया दांव

आमिर खान प्रोडक्शंस की अनोखी जासूसी फिल्म हैप्पी पटेल का एलान हो गया है। इस फिल्म से वीर दास के डायरेक्टोरियल डेब्यू कर रहे हैं, जिसमें वीर दास और मोना सिंह लीड रोल्स में नजर आएंगे। जैसे इसका टाइटल मजेदार है, वैसे ही मेकर्स ने फिल्म का अनाउंसमेंट वीडियो और भी मजेदार अंदाज में रिलीज किया है, जिसमें आमिर खान और वीर दास दिखाई दे रहे हैं।

हैप्पी पटेल की घोषणा बिल्कुल हटके और बेहद मजेदार तरीके से की गई है। वीडियो में आमिर खान, वीर दास से पूछते नजर आते हैं कि आखिर वो फिल्म में एक्शन, रोमांस और यहां तक कि आइटम नंबर को किस अंदाज में दिखाने वाले हैं? आमिर को लगातार यह चिंता सताती दिखती है कि दर्शक इस सब पर कैसा रिस्पॉन्स देंगे, जबकि उसी समय वीडियो में दूसरे लोग फिल्म की जमकर तारीफ करते नजर आते हैं। उनकी बातचीत का यह मजेदार कंट्रास्ट पूरे अनाउंसमेंट को बेहद मनोरंजक बना देता है। इतना तो पक्का है कि एक बिल्कुल अलग तरह की सिनेमा आने वाली है।

और सबसे खास बात ये है कि आमिर खान प्रोडक्शंस हमेशा हटकर और अनोखी कहानियां बड़े ही सलीके से पेश करता आया है। लगान, तारे जमीन पर, दंगल और सीक्रेट सुपरस्टार जैसी यादगार फिल्मों के बाद, यह फिल्म भी यूनिक सिनेमा दिखाने की एक और कोशिश है। दिलचस्प बात ये है कि इस बार वो मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन वीर दास के साथ काम कर रहे हैं, जो न सिर्फ अपनी कॉमेडी स्पेशल्स के साथ दुनिया भर में परफॉर्म कर चुके हैं, बल्कि गो गोवा गॉन, बदमाश कंपनी और दिल्ली बेली जैसी फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। यह फिल्म वीर दास का आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ दिल्ली बेली के बाद दूसरा कोलैबोरेशन है।

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी हैप्पी पटेल का निर्देशन वीर दास कर रहे हैं और यह फिल्म 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

विपक्ष को अपनी कमियों से सीख लेनी होगी

रजनीश कपूर

बिहार चुनाव से चुनाव आयोग की निष्पक्षता, राजनीतिक दलों के आचरण और चुनाव जीतने की रणनीति सभी पर गंभीर चर्चा है। पर आयोग को चाहिए कि वह अपने हर निर्णय में पारदर्शिता, कठोरता और समान व्यवहार बनाए रखे, तभी वह जनता का भरोसा लौटाने में कामयाब होगा। विपक्ष को अपनी कमियों से सीख लेनी होगी, ताकि वे सशक्त विकल्प बन सकें और लोकतंत्र को मजबूती दे सकें।

हाल में हुए बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में चुनाव आयोग की भूमिका और उस पर उठते सवालों ने एक बार फिर चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर बहस छेड़ दी है। एनडीए की ऐतिहासिक जीत और महागठबंधन (इंडिया एलायंस) की करारी हार के बीच, मुख्य सवाल यही उठा कि क्या चुनाव आयोग ने अपने संवैधानिक कर्तव्यों का सही तरह से निर्वहन किया? साथ ही, आचार संहिता के उल्लंघन, राजनीतिक दलों के आचरण और आयोग पर दोहरे मानदंडों के आरोपों ने भी चुनावी निष्पक्षता की मूल भावना को चुनौती दी है।

हाल के चुनावों में चुनाव आयोग पर पक्षपात और दोहरे मानदंड अपनाने के आरोप लगे। खास तौर पर, कांग्रेस और महागठबंधन ने वोटर लिस्ट, अधिकारियों की नियुक्ति और निष्पक्ष मतदान पर गंभीर सवाल खड़े किए। आरोप है कि कुछ विधानसभा क्षेत्रों में वोटर लिस्ट से लाखों नाम हटा दिए गए या मनमाने ढंग से जोड़े-घटाए गए। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि आयोग ने भाजपा शासित राज्यों से चयनित नौकरशाहों और पुलिस अधिकारियों को चुनावी पर्यवेक्षक नियुक्त कर पक्षपातपूर्ण रवैया दिखाया। विपक्ष ने मतदान प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि आयोग की प्रक्रिया आम जनता का भरोसा कायम नहीं रख पा रही है। इस चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दलों के सोशल मीडिया पर भड़काऊ, जातिवादी और भ्रामक कंटेंट साझा होने के आरोप लगे। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने ऐसे लगभग 21 एफआईआर दर्ज किए, जिनमें भाजपा, राजद और कांग्रेस जैसे बड़े दलों के खिलाफ भी कार्रवाई हुई। कई सोशल मीडिया हैंडल्स पर तो गुमराह करने वाले कृ-जनित वीडियो और दीपफेक कंटेंट डालने के आरोप मिले, जिन्हे तुरंत हटवाया गया।

आयोग द्वारा आचार संहिता के पालन के लिए सोशल मीडिया पर निगरानी करने की व्यवस्था थी, परंतु बड़ी संख्या में भड़काऊ और गुमराह करने वाले पोस्ट सामने आए, जिससे आयोग की प्रभावशीलता को लेकर सवाल भी उठे।

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में चुनाव आयोग की सबसे अहम जिम्मेदारी है, चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाना। आयोग को अपने हर कदम पर समानता और पारदर्शिता का पालन करना चाहिए। आयोग की साख को बहाल करने के लिए कुछ जरूरी कदम उठाने चाहिए। जैसे कि सभी दलों की शिकायतों की सार्वजनिक व स्वतंत्र जाँच। पर्यवेक्षकों और चुनावी कर्मियों की निष्पक्ष नियुक्ति जो कि राजनीतिक झुकाव से दूर रहते हुए की जाए। वोटर लिस्ट की शुद्धता और अद्यतन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाना। सोशल मीडिया व डिजिटल प्रचार पर कठोर निगरानी और दोषियों पर तत्काल कार्रवाई। आचार संहिता उल्लंघन पर बिना किसी भेदभाव के उचित व सख्त न्यायिक कार्यवाही।

वहीं देखा जाए तो महागठबंधन (इंडिया एलायंस) रणनीतिक स्तर पर संगठित नहीं हो सका। सीट शेयरिंग, यानी सीटों का बँटवारा, चुनाव से ठीक पहले तय हुआ, जिससे अभियान की गति और एकता दोनों प्रभावित रहीं। तेजस्वी यादव के देर से सक्रिय चुनाव प्रचार, गठबंधन में सहयोगी दलों के मतभेद और साझा विजन की कमी ने विपक्ष की प्रभावशीलता कम कर दी। साथ ही, कांग्रेस जैसी सहयोगी दल ज़मीनी स्तर पर मतदाताओं को लामबंद करने में नाकाम रही। ऐसे समय में जब एनडीए अपनी एकजुटता दिखा रहा था, महागठबंधन अपनी आंतरिक समस्याओं में उलझ कर रह गया।

महागठबंधन ने मुख्य रूप से सत्ता विरोधी लहर (एंटी-इन्कम्बेंसी) पर ज्यादा दांव लगाया, जबकि एनडीए ने अपनी स्थिरता, विकास, और समावेशिता के एजेंडा के साथ मतदाताओं को बेहतर तरीके से साधने में सफल रहा। जातिगत समीकरणों को लेकर महागठबंधन ने पारंपरिक रणनीति अपनाई, परंतु दलित, महिला, और अति पिछड़ा वर्ग को खास तौर पर टार्गेट करके एनडीए ने अपने पुराने वोट बैंक के दायरे को काफी विस्तार दिया। जो एनडीए की ऐतिहासिक जीत का कारक बना। इसके साथ ही महिलाओं को लुभाने के लिए दिए गए अनुदान ने भी इस चुनाव परिणाम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बहरहाल चुनाव चाहे किसी राज्य की सरकार का हो या केंद्र की सरकार का, हर राजनैतिक दल मतदाताओं को लुभाने की मंशा से ऐसे कई वादे करते हैं जो वास्तव में सच नहीं किए जाते। यदि जनता को चुनावों में किए गए वादों और उन्हें पूरा किए जाने के अंतर को देखा जाए तो यह अंतर काफ़ी बड़ी संख्या में पाया जाएगा। चुनावों से पहले ऐसे वादे हर राजनैतिक दल द्वारा किए जाते हैं।

जिस तरह बिहार की जनता ने एक बार फिर से नीतीश कुमार में अपना विश्वास जताया है उससे यह बात तो तय है कि जनता को किए गए चुनावी वादे काफ़ी लुभावने थे। परंतु मतदाताओं यह सोचना होगा कि वादों की सूची और उन्हें पूरा करने में जिस भी दल का अंतर सबसे कम हो वही दल जनता के हित की सोचता है, तभी उसी दल को चुना जाता है। यदि सभी दल एक समान हैं तो जनता को चुनावी वादों से भ्रमित होकर इनमें फँसना नहीं चाहिए।

बिहार चुनाव से चुनाव आयोग की निष्पक्षता, राजनीतिक दलों के आचरण और चुनाव जीतने की रणनीति सभी पर गंभीर चर्चा है। पर आयोग को चाहिए कि वह अपने हर निर्णय में पारदर्शिता, कठोरता और समान व्यवहार बनाए रखे, तभी वह जनता का भरोसा लौटाने में कामयाब होगा। साथ ही, विपक्ष को चुनावी रणनीति बनाने और आंतरिक समन्वय में अपनी कमियों से सीख लेनी होगी, ताकि वे सशक्त विकल्प बन सकें और लोकतंत्र को मजबूती दे सकें।

संजय मिश्रा और महिमा चौधरी की फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी का टीजर जारी

संजय मिश्रा और महिमा चौधरी की अपकमिंग फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी का टीजर रिलीज हो गया है। इस फिल्म को लेकर पहले से काफी चर्चा थी। ऐसा इसलिए क्योंकि संजय मिश्रा की दूसरी शादी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। टीजर में संजय मिश्रा हल्के-फुल्के अंदाज में कॉमेडी करते हुए नजर आए हैं। वहीं महिमा चौधरी ग्लैमरस लुक में नजर आई हैं।

टीजर में सबसे पहले संजय मिश्रा नजर आते हैं। वह भगवान हनुमान से प्रार्थना करते हैं कि अगर उनकी कुंडली में दूसरी शादी लिखी है, तो कोई सुंदर, सुशील और कलावती महिला से शादी हो। वह हनुमान से कहते हैं कि प्रभु थोड़ा ध्यान रखना वर्ना ये लोग मुझे कहीं भी फंसा देंगे। इसके बाद वह महिमा चौधरी से टकरा जाते हैं। अगले सीन में संजय मिश्रा का बेटा उनके पास आता है और कहता है कि मां मिल गई। इस पर संजय मिश्रा इतराते हैं।

मेकर्स ने इस टीजर को सोशल मीडिया पर रिलीज किया है। इसके साथ इसकी रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है। बताया जाता है कि यह फिल्म 19 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी में संजय मिश्रा और महिमा चौधरी के अलावा व्योम यादव, पलक लालवानी, प्रवीण सिंह सिसोदिया और श्रीकांत वर्मा ने अभिनय किया है। इसका निर्देशन सिद्धांत राज सिंह ने किया है। इसके निर्माता एकांश बच्चन और हर्ष बच्चन हैं।

सू- दोकू क्र.075

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.74 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

क्या भाजपा असम, और पश्चिमी बंगाल में जीत हासिल कर सकती है

अजय दीक्षित

असम और पश्चिमी बंगाल के विधानसभा चुनाव अप्रैल 2026 में होने हैं। 14 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए के बिहार विधानसभा चुनावों में जीत के बाद दिल्ली में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा है कि गंगा मैया बिहार से ही पश्चिमी बंगाल जाती है। प्रधानमंत्री का इशारा असम और पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनावों की ओर था । अभी दोनों राज्यों में से असम में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। पश्चिमी बंगाल में ममता बनर्जी मुख्यमंत्री है ।

289 सदस्यीय पश्चिमी बंगाल विधानसभा में 289 सीट है। यहां पर 2021के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने 77 सीट जीती थी। यहां पर मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के बीच होगा ।जबकि असम में 117 सदस्यीय विधानसभा में चुनावों में मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच होगा।

2021 असम विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने 61 सीट जीती थी। कांग्रेस के तरुण गोगोई और उनके पुत्र गौरव गोगोई मरो करो का प्रश्न है। क्योंकि 2016 से भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और हेमंत विश्व शर्मा मुख्यमंत्री है। दूसरी ओर चुनाव आयोग दोनों राज्यों में चुनाव से पहले मतदाता सूचियों गहन परीक्षण एसआईआर करा रहा है जिसके लिए ममता बनर्जी ने आंदोलन चला रखा है। बताया जाता है कि पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनावों में अब एक करोड़ वोटर कम हो जाएगा अभी 7.5 करोड़ लोग मतदाता सूचियों में दर्ज है।असम में भी 50 लाख लोग मतदाता सूचियों में से हटाए जाने है। दोनों राज्यों में भारी संख्या में बंगला देश की घुसपैठी है। दरअसल बिहार विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और राजद की करारी हार से पूर्वोत्तर भारत असर हुआ है ।

भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में एक मोहाल बना है जिसका असर असम और पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनावों पर पड़ेगा।2021 के पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को 39 फीसदी वोट मिला था और तृणमूल कांग्रेस से लगभग 61 लाख वोट कम मिला था जो लगभग 9 फीसदी अधिक था 289 सदस्यीय विधानसभा में

77 सीट मिली थी।जबकि तुड़मूल कांग्रेस को 212 सीट मिली। तत्कालीन समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधानसभा चुनावों में ममता बनर्जी को मुद्दा बनाया था।

इससे बंगाल अस्मिता का प्रश्न बनकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आपुला मानुष का मुद्दा उठाया। लोगों ने शायद इसी मुद्दे पर वोट डाले।

अबकी बार स्थिति भिन्न है परसों दुर्गापुर रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल का औद्योकरण,विकास,सड़क,

और तृणमूल कांग्रेस के मंत्रियों के भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया है।यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी ने अपनी रणनीत बदलते हुए बांग्लादेश का मुद्दा उठाया है।

कहते हैं कि बंगाल में युवाओं का पलायन भी बड़ी संख्या में दिल्ली की ओर हुआ है।यानी रोजगार भी मुद्दा बनाया जा सकता है। पश्चिमी बंगाल में अगर मछली उद्योग को छोड़ दें तो कोई बड़ा उद्योग नहीं है। कलकत्ता से कोलकाता बना शहर वस्त्र,पटसन, जुट, हैवी मास्त्ररी के जाना जाता था मगर अब मर गया है कोलकाता शहर ,शेष रह गई है तो बस यादें।

पश्चिमी बंगाल इन दिन महिलाओं, स्त्रियां के शोषण के कुख्यात है और यहां से महिलाओं, स्त्रियां, बच्चियों की पूरे भारत में तस्करी होती है। महिलाओं के सशक्तिकरण के कोई योजना नहीं है।दूसरी ओर पश्चिमी बंगाल का सामाजिक तनावना बिगड़ रहा है और मुस्लिम बाहुल्य जिलों में अन्य हिन्दू, धर्म,जैन,परेशान हैं क्योंकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मुस्लिम तुष्टिकरण करन को बढ़ावा दे रही है।

रिलाईन्स कम्पनी का अधिकारी बनकर ठगे 82 हजार रूपये

संवाददाता

देहरादून। रिलाईन्स कम्पनी का अधिकारी बनकर 82 हजार रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिद्धि विनायक गुजरोवाली निवासी सुरेन्द्र दत्त नौटियाल ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके मोबाइल पर कॉल आया और कॉल करने वाले ने अपने आपको रिलाईन्स कम्पनी का अधिकारी बताकर रिलाईन्स की पॉलिसी पैडिंग होने के नाम पर षडयन्त्र रचकर उसके खाते से 82 हजार 809 रूपये निकाल लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ट्रेन में महिला का हैडबैग चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने ट्रेन से महिला का हैडबैग चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार तेलीवाला निवासी अमजद खान ने जीआरपी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि चलती ट्रेन योगा एक्सप्रेस में हरिद्वार से ऋषिकेश आते समय किसी ने उसकी पत्नी का हैडबैग चोरी कर लिया। जिसमें उसके दो मोबाइल फोन व कुछ रूपये रखे थे।

चार धाम यात्रा पैकेज के नाम पर ठगे एक लाख रूपये

संवाददाता

देहरादून। चार धाम यात्रा पैकेज के नाम पर एक लाख रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेन्द्र नगर निवासी धरेश डबराल ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने चार धाम यात्रा के लिए उसने आराघर स्थित फीट एण्ड स्टाइल हाइटेक इंजिनियरस मोबाइल से सम्पर्क किया तो कम्पनी के देवेन्द्र माथुर ने उसको चारधाम यात्रा पैकेज के नाम पर एक लाख 500 रूपये लिये और न तो उसको कोई टिकट दिया और न ही उसके चारधाम यात्रा के लिए कोई तैयारी की।

नर्सिंग बेरोजगार युवतियों पर पुलिस...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

महिला कांग्रेस ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन को और व्यापक स्तर पर तेज किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी हर उस बेटी के साथ मजबूती से खड़ी है जिसके साथ अन्याय हुआ है, और उनके सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इस विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से उत्तराखंड कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी, महिला कांग्रेस की वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशा मनोरमा डोबरियाल, महानगर महिला कांग्रेस अध्यक्ष उर्मिला थापा, प्रदेश महासचिव निधि नेगी, सुशीला शर्मा, पुष्पा पवार, अनुराधा तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष अनीता सकलानी, सचिव रेखा ढींगरा, सेवादल से सावित्री थापा और मंजू सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

जनसंचार के क्षेत्र में एआई की प्रभावशाली..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

त्वरित प्रतिक्रिया और विश्वसनीय कंटेंट सबसे अहम हैं। पीआर प्रोफेशनल्स को बदलते मीडिया परिदृश्य को समझते हुए रणनीतिक और नैतिक संचार को अपनाना चाहिए। इरफान रसीद, मैनेजर कॉरपोरेट कम्युनिकेशन, आरईसी ने संगठन के पीआर और कम्युनिकेशन मॉडल पर प्रकाश डाला। आरईसी में कॉरपोरेट कम्युनिकेशन को केवल प्रचार का माध्यम नहीं, बल्कि हितधारकों से संवाद का जरिया माना जाता है। मीडिया, सोशल प्लेटफॉर्म और डिजिटल माध्यमों के जरिए हम पारदर्शी और जिम्मेदार संचार पर जोर देते हैं। एक मजबूत पीआर रणनीति संगठन की साख और विश्वास को लंबे समय तक बनाए रखने में सहायक होती है।

सत्र में डॉ. अमरनाथ त्रिपाठी, चीफ जनरल मैनेजर (एचआर एंड कॉरपोरेट कम्युनिकेशन), टीएचडीसी ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा और टिहरी डैम की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की। टीएचडीसी भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र में स्वच्छ और संरक्षित ऊर्जा को अपनाने का उत्कृष्ट उदाहरण है। टिहरी डैम इंजीनियरिंग का अभूतपूर्व नमूना है, जो इको-टूरिज्म और जल क्रीड़ा के लिए भी उपयुक्त है। 2036 तक टिहरी डैम को विश्व के सर्वश्रेष्ठ वाटर स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है। इसकी पहचान बनाने में पीआर और मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

वहीं शुभम पिपलानी, मैनेजर कॉरपोरेट कम्युनिकेशन, आरईसी ने संगठन की उपलब्धियों और मीडिया की भूमिका पर बात रखी। आरईसी की उपलब्धियों को जनता तक सही और प्रभावी तरीके से पहुंचाने में मीडिया और पीआर की अहम भूमिका रही है। सकारात्मक संवाद और तथ्यात्मक जानकारी से संगठन की छवि मजबूत होती है। आज के दौर में मीडिया के साथ विश्वासपूर्ण संबंध बनाए रखना किसी भी सार्वजनिक उपक्रम के लिए अत्यंत आवश्यक है।

पीआरएसआई के राष्ट्रीय अजीत पाठक ने कहा पीआरएसआई के इस राष्ट्रीय अधिवेशन में यह स्पष्ट संदेश सामने आया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक चुनौती के साथ-साथ एक बड़ा अवसर भी है। सही जानकारी, जागरूकता और नैतिक उपयोग के साथ एआई जनसंचार, कॉरपोरेट कम्युनिकेशन और समाज के विकास में अहम भूमिका निभा सकता है। साइबर सुरक्षा के प्रति सजग रहना और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार अपनाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

डीएम की अध्यक्षता में 17 दिसंबर को होगा ग्राम क्वासी में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन

देहरादून। जन सुविधाओं को बेहतर बनाने और उनकी समस्याओं का मौके पर निस्तारण हेतु जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में बुधवार, 17 दिसंबर, 2025 को प्रात: 11 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक विकासखंड चकराता स्थित ग्राम क्वासी इंटर कॉलेज प्रांगण में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने बताया कि बहुउद्देशीय शिविर में जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा स्वयं उपस्थित रहकर जन समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जाएगा और विभागीय स्टॉल लगाकर योजनाओं का प्रचार प्रसार किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता के अनुसार यह शिविर सुदूरवर्ती क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने एवं जनसमस्याओं के निस्तारण हेतु आयोजित किया जा रहा है। विभिन्न विभागों के स्टॉल्स के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए है कि शिविर में पूर्ण तैयारी के साथ प्रतिभाग करें और जनता को मौके पर ही सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाए। सभी विभाग आवेदन फॉर्म और योजनाओं की पूर्ण जानकारी के साथ स्वयं शिविर में उपस्थित रहे। बहुउद्देशीय शिविर में समाज कल्याण, महिला कल्याण एवं प्रोबेशन विभाग द्वारा वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांग, किसान व परित्यक्ता पेंशन प्रकरणों सत्यापन के साथ छात्रवृत्ति, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, शादी अनुदान फार्म भरवाए जाएंगे। डीडीआरसी के माध्यम से दिव्यांगों के यूडीआईडी कार्ड, कुपोषित बच्चों का चिन्हीकरण, उपचार, दिव्यांग एवं कृत्रिम अंगों का वितरण किया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर में दो स्तरीय व्यवस्था रहेगी। पहला सामान्य जांच शिविर का आयोजन और दूसरा विभिन्न प्रकार के दिव्यांग प्रमाण पत्र ऑफलाइन बनाने के उपरांत बाद में ऑनलाइन करने हेतु एसडीएम को दिए जाएंगे। आरबीएस की टीम कुपोषित बच्चों का सर्वे कर उपचार प्रदान करेगा। शिविर में नशामुक्ति काउंसलिंग, पोषण, परिवार कल्याण, टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की नि:शुल्क जांच व औषधि वितरण किया जाएगा। अटल आयुष्मान कार्ड के लिए पृथक सीएचसी संचालित कर कैंप में ही आवेदकों को कार्ड निर्गत किए जाएंगे। शिविर में नेत्र परीक्षण व चश्में भी वितरित किए जाएंगे। आईसीडीएस विभाग द्वारा कुपोषित शिशु, किशोरियों, महिलाओं का चिन्हीकरण कर पोषाहार उपलब्ध कराया जाएगा। नंदागौरा, पीएम मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट, किशोरी किट के फॉर्म भरे जाएंगे।

ग्राम्य विकास द्वारा मनरेगा कार्य की मांग, जॉबकार्ड, भुगतान संबंधी प्रकरणों का निराकरण, पीएमएवाई आवास के आवेदन, एनआरएलएम व रीप में नए सदस्यों को जोड़ना और समूहों को सीसीएल के प्रस्तावों पर स्वीकृति प्रदान की जाएगी। पंचायत राज द्वारा परिवार रजिस्टर की नकल, जन्ममृत्यु पंजीकरण, सेवायोजन द्वारा रोजगार मेला आयोजन व युवाओं की काउंसलिंग तथा शिक्षा विभाग द्वारा एमडीएम, रमसा व आरटीई से जुड़े विषयों पर सेवाएं प्रदान की जाएगी। खाद्य विभाग राशन कार्डो का सत्यापन, संशोधन व दुरस्तीकरण व राज्य खाद्य योजना के राशन कार्ड निर्गत करेगा। कृषि व उद्यान विभाग कीटनाशक दवाओं, बीज, लघु यंत्रों का वितरण एवं कृषकों की समस्या का समाधान करेंगे। सहकारिता, रेशम, मत्स्य, दुग्ध विभाग खाद्य बीज की उपलब्धता, समितियों के सदस्य बनने, केसीसी लाभार्थियों का चयन करेंगे। विद्युत व पेयजल विभाग विद्युत बिल, पेयजल बिलों का सुधार, भुगतान, नए कनेक्शन वितरण करेंगे। लोनिवि, एनएचएआई, पीएमजीएसवाई द्वारा राजमार्ग, राज्य मार्ग, ग्रामीण मार्गो से संबंधित समस्याओं का समाधान तथा सिंचाई विभाग द्वारा सिंचन क्षमता विस्तार संबंधी विषयों पर कार्रवाई की जाएगी। उद्योग व खादी ग्रामोद्योग द्वारा स्वरोजगार आवेदन प्राप्त करना, प्रशिक्षण तथा राजस्व विभाग द्वारा नए आधार कार्ड बनाने, आधार संशोधन के साथ आय, जाति चरित्र, स्थायी निवास, निर्विवाद उत्तराधिकार के मामलों का निस्तारण किया जाएगा।

उत्तराखंड सहित पूरे देश में तेजी से बढ़ रहे हैं वैवाहिक अपराध!

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। क्राइम लिटरेचर फेस्टिवल ऑफ इंडिया के तृतीय संस्करण में आयोजित एक विशेष सत्र में उत्तराखंड सहित पूरे भारत में लगातार बढ़ते वैवाहिक अपराधों पर गंभीर, तथ्यात्मक और वास्तविक चर्चा की गई। यह सत्र "एक निजी जासूस की नजर से वैवाहिक अपराध" विषय पर आधारित था, जिसमें तियानझू इन्वेस्टिगेटिव सर्विसेज के संस्थापक एवं निजी जासूस डिटेक्टिव देव गोस्वामी को बतौर पैनलिस्ट आमंत्रित किया गया।

यह कार्यक्रम राजपुर रोड स्थित एक होटल में संपन्न हुआ, जिसकी संचालनकर्ता (मॉडरेटर) सुप्रसिद्ध लेखिका रूबी गुप्ता रहीं। सत्र के दौरान डिटेक्टिव देव गोस्वामी ने अपने वर्षों के अनुभवों के आधार पर बताया कि पिछले कुछ वर्षों में उत्तराखंड के शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में वैवाहिक धोखाधड़ी और वैवाहिक अपराधों के मामलों में तेज वृद्धि हुई है, और यही स्थिति अब लगभग पूरे देश में देखने को मिल रही है।

डिटेक्टिव देव गोस्वामी के अनुसार, आज वैवाहिक अपराध केवल पारिवारिक विवाद तक सीमित नहीं रहे हैं, बल्कि इनमें फर्जी पहचान, पहले से हुई शादी को छुपाना, झूठी नौकरी व आय का दावा, आर्थिक ठगी, भावनात्मक शोषण, डिजिटल माध्यमों से धोखाधड़ी और योजनाबद्ध विवाह जैसे संगठित अपराध शामिल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड जैसे शांत और सुरक्षित माने जाने वाले राज्य भी अब इन मामलों से अछूते नहीं रहे हैं, जो समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

इस सत्र में लोकप्रिय टीवी क्राइम शो "सावधान इंडिया" के निर्देशक अनिरबन भट्टाचार्य भी उपस्थित रहे। डिटेक्टिव देव गोस्वामी द्वारा सुनाई गई वास्तविक वैवाहिक अपराधों की कहानियाँ सुनकर वे भी हैरान और स्तब्ध नजर आए। उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि "ऐसे मामलों को मैंने अपने धारावाहिक 'सावधान इंडिया' में भी नहीं दिखाया। मुझे अंदाजा नहीं था कि भारत में इस स्तर के संगठित और खतरनाक वैवाहिक अपराध वास्तव में हो रहे हैं।"

उनकी यह प्रतिक्रिया इस बात को दर्शाती है कि जमीनी हकीकत, टीवी और फिक्शन से कहीं अधिक भयावह होती जा रही है।

अपने संबोधन में डिटेक्टिव देव गोस्वामी ने यह भी स्पष्ट किया कि विवाह-पूर्व जांच (प्री-मैट्रिमोनियल जांच) पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया है, जिसमें सार्वजनिक अभिलेख, व्यवहारिक विश्लेषण और मैदानी सत्यापन के माध्यम से तथ्यों की जांच की जाती है। इसका उद्देश्य विवाह से पहले सच्चाई सामने लाकर भविष्य में होने वाले बड़े अपराधों, कानूनी विवादों और मानसिक आघात से लोगों को सुरक्षित रखना है। कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यकारों, कानून विशेषज्ञों, सामाजिक शोधकर्ताओं और दर्शकों ने इस सत्र को आंखें खोलने वाला, साहसिक और सामाजिक रूप से अत्यंत आवश्यक बताया। वास्तविक घटनाओं और जमीनी सच्चाई पर आधारित इस चर्चा को श्रोताओं ने खूब सराहा। क्राइम लिटरेचर फेस्टिवल ऑफ इंडिया का यह सत्र न केवल अपराध साहित्य को नई दिशा देता है, बल्कि समाज को यह संदेश भी देता है कि सतर्कता, सत्यापन और जागरूक निर्णय आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुके हैं।

2027 में हरिद्वार में कुंभ मेले का आयोजन, प्रदेश के लिए बहुत बड़ा सुअवसर: धामी

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कनखल-हरिद्वार में दक्षेश्वर महादेव मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना करने के साथ ही सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी मंदिर के भी दर्शन किए। मुख्यमंत्री ने दक्षेश्वर महादेव मंदिर में दुग्धाभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेश की प्रगति एवं खुशहाली के साथ ही आगामी कुंभ मेले को दिव्य, भव्य ढंग से आयोजित करने की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न अखाड़ों के पदाधिकारियों एवं साधु-संतो से भेंटकर उनका आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि वर्ष 2027 में हरिद्वार में कुंभ मेले का आयोजन प्रदेश के लिए बहुत बड़ा सुअवसर है। देश व दुनिया में कुंभ मेला एवं कुंभ नगरी हरिद्वार का अत्यधिक

मुख्यमंत्री ने दक्षेश्वर महादेव मंदिर में की पूजा-अर्चना, सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी मंदिर के भी किए दर्शन

महत्वपूर्ण स्थान है। राज्य सरकार कुंभ मेला के दिव्य एवं भव्य आयोजन के लिए ठोस कार्य कर रही है।

इस अवसर पर पंचायती महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव महंत रवींद्र पुरी ने संस्कृति के संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना करते हुए कहा कि दिव्य एवं भव्य कुंभ आयोजन के लिए संत समाज द्वारा राज्य सरकार को पूर्ण सहयोग दिया जाएगा।

इस अवसर पर अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत राजेंद्र दास, दिगंबर अखाड़े के वैष्णो दास, निर्वाणी अखाड़े के श्रीमहंत मुरलीदास, निर्मल अखाड़े के कोठारी जसविंदर सिंह, बड़ा उदासीन अखाड़े के राघवेंद्र दास, नया अखाड़े से जगतार मुनि, अटल अखाड़े के सत्य गिरी, मनोज गिरी सहित अनेक साधु-संत मौजूद रहे।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कनखल स्थित सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी मंदिर के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान विधायक हरिद्वार मदन कौशिक, रानीपुर विधायक आदेश चौहान, रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा, पूर्व विधायक स्वामी यतीश्वरानंद, संजय गुप्ता, संजय गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, दायित्वधारी सुनील सैनी, ओमप्रकाश जमदग्नि, जयपाल सिंह चौहान, जिला उपाध्यक्ष लव शर्मा, आशु चौधरी, आयुक्त गढ़वाल मंडल विनय शंकर पांडेय, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोभाल सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

विजय दिवस पर मुख्यमंत्री ने दी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विजय दिवस के अवसर पर भारतीय सशस्त्र बलों, भूतपूर्व सैनिकों एवं प्रदेशवासियों को बधाई दी है। उन्होने कहा कि भारत के सैन्य इतिहास में 16 दिसम्बर भारतीय सशस्त्र सेनाओं के साहस, समर्पण और बलिदान को याद करने का ऐतिहासिक दिन है। इस दिन भारतीय सैनिकों के अद्वितीय शौर्य व अद्भुत पराक्रम के सामने नतमस्तक होकर पाकिस्तानी सेना के हजारों सैनिकों को आत्मसमर्पण करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा के लिए हमारे वीर सैनिक हमेशा तत्परता के साथ अपना योगदान देते है जिस पर हमें गर्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड, देवभूमि के साथ ही वीर भूमि भी है। यहां सदैव देशभक्ति व राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना रही है। देश की सीमाओं की रक्षा के लिए वीर सैनिकों द्वारा किए गए सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखा जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की रक्षा के लिए हमारे वीर सैनिक हमेशा तत्परता के साथ अपना योगदान देते हैं। देश की सीमाओं की रक्षा के लिए वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि हमें अपने सैनिकों की वीरता पर गर्व है और पूरा देश उनकी बहादुरी को नमन करता है।

संरक्षित पशु के मांस के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने संरक्षित पशु के मांस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने मुस्लिम बस्ती से एक के यहां से संरक्षित पशु का 79 किलो मांस व मांस बेचकर कमाये 30 हजार रूपये बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम मौहम्मद सलीम पुत्र अब्दुल वहीद निवासी मुस्लिम बस्ती कारगी ग्रान्ट बताया।

पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

लाल पानी में निर्माणाधीन एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्लांट का जिलाधिकारी ने किया स्थलीय निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी ने सोमवार को ऋषिकेश के लालपानी क्षेत्र में निर्माणाधीन एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (इंटीग्रेटेड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट) प्लांट का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्धता की समीक्षा की।

ऋषिकेश अमित ग्राम में नगर निगम के माध्यम से 23.15 करोड़ की लागत से 240 मेट्रिक टन पर डे ठोस अपशिष्ट प्रोसेसिंग प्लांट का निर्माण कार्य प्रगति पर है। कार्यदाई संस्था निकाफ कंपनी को इस प्लांट के निर्माण का जिम्मा सौंपा गया था। कंपनी द्वारा दिसंबर 2025 में कार्य पूर्ण किया जाना था, परंतु कंपनी द्वारा अभी तक मौके पर 60 प्रतिशत कार्य किया गया है।

●अनुबंध शर्तो की अनदेखी पड़ी भारी, डीएम ने तलब की विस्तृत रिपोर्ट, कार्रवाई तय

जिलाधिकारी ने इस पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए नगर निगम और कार्यदायी संस्था को फटकार लगाई। डीएम ने अनुबंध की निर्धारित शर्तो और टाइम लाइन का पूरा ब्यौरा और प्लांट निर्माण के कार्यों में परिलक्षित समस्याओं की रिपोर्ट तलब की है।

प्लांट में अभी तक एलटीपी मशीनें सेटअप न होने पर भी डीएम ने नगर आयुक्त को फोलोअप करने और मशीन इंस्टालेशन कार्यो को तेजी से पूरा कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्लांट का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए तथा कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

उन्होंने कहा कि यह प्लांट क्षेत्र में ठोस अपशिष्ट के वैज्ञानिक निस्तारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ होगी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। निरीक्षण के दौरान डीएम ने प्लांट में स्थापित की जा रही मशीनरी, कचरा पृथक्करण व्यवस्था, लीचेट ट्रीटमेंट और भविष्य की संचालन योजना की भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कर प्लांट को शीघ्र संचालित किया जाए।

इस अवसर पर महापौर नगर निगम ऋषिकेश शंभू पासवान, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, नगर आयुक्त गोपाल राम बिनवाल, परियोजना निदेशक विक्रम सिंह जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार सहित कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि तथा अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

राम मंदिर आंदोलन से जुड़े डॉ. रामविलास वेदांती का निधन

कार्यालय संवादाता

अयोध्या। राम मंदिर आंदोलन के अग्रणी संत पूर्व सांसद डॉ. रामविलास दास वेदांती का सोमवार सुबह निधन हो गया। वे 75 साल के थे। मध्यप्रदेश के रीवा में उन्होंने अंतिम सांस ली। अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन के अहम किरदार पूर्व सांसद डॉ रामविलास दास वेदांती का निधन हो गया है। रीवा मध्य प्रदेश में एक कथा महोत्सव के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका निधन हो गया। 77 वर्षीय रामविलास दास वेदांती का मंदिर आंदोलन में अहम योगदान रहा है। ढांचा विध्वंस के प्रमुख आरोपियों में भी पूर्व सांसद वेदांती का नाम शामिल था।

सीएम योगी आदित्यनाथ के गुरु अवैद्यनाथ स्वामी परमहंस के साथ-साथ रामविलास दास वेदांती 90 के दशक में मंदिर आंदोलन के अग्रणी किरदार थे। वह 1996 व 1998 में दो बार सांसद भी रहे हैं। उनका पार्थिव शरीर देर शाम तक अयोध्या पहुंचेगा। मंगलवार की सुबह 10:00 बजे उनकी अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। अंतिम यात्रा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी शामिल होने की संभावना है। डॉ. वेदांती के निधन पर सीएम योगी ने श्रद्धांजलि दी है। एक्स पर उन्होंने लिखा-श्री राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख स्तंभ, पूर्व सांसद एवं श्री अयोध्या धाम स्थित वशिष्ठ आश्रम के पूज्य संत डॉ. रामविलास वेदांती जी महाराज का गोलोकगमन आध्यात्मिक जगत और सनातन संस्कृति के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! उनका जाना एक युग का अवसान है। धर्म, समाज व राष्ट्र की सेवा को समर्पित उनका त्यागमय जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान और शोक संतप्त शिष्यों एवं अनुयायियों को यह अथाह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।